भारत की राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

का

अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के 12वें दीक्षांत समारोह में संबोधन

नई दिल्ली: 20 नवंबर 2026

आज इस प्रतिष्ठित संस्थान में आप सबके बीच आकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों, उनके परिवारजनों और मार्गदर्शन करने वाले फैकल्टी सदस्यों को मैं हार्दिक बधाई देती हूँ। Super Specialty पाठ्यक्रमों, MD-MS की उपाधियाँ पाने वाले युवाओं और स्वर्ण पदक से सम्मानित विद्यार्थियों को मैं विशेष शुभकामनाएँ देती हूँ। उपाधि पाने वालों में अच्छी संख्या बेटियों की भी है। यह देखकर संतोष हो रहा है।

उच्च विशेषज्ञता की चिकित्सा और शिक्षा देने वाले एक विशिष्ट केन्द्र के रूप में विकसित हुए इस संस्थान से श्रधेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी और डॉक्टर राम मनोहर लोहिया जैसी विभूतियों का नाम जुड़ा है। उन दोनों के व्यक्तित्व और कृतित्व से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। यहाँ के अनुभवी प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को आधुनिक पद्धतियों का प्रशिक्षण प्राप्त हो रहा है।

देवियो और सज्जनो,

स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछले एक दशक में भारत सरकार द्वारा की गयी पहलों के दूरगामी प्रभाव हो रहे हैं। इनसे Primary से लेकर Tertiary Healthcare के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विस्तार हुआ है।

देश में इस समय लगभग पौने दो लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर कार्यरत हैं। इनके माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रभावी ढंग से गाँवों तक पहुँच रही हैं।

प्रधानमंत्री समग्र स्वास्थ्य योजना (PMSSY) के अंतर्गत Tertiary Healthcare और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी तीव्र प्रगति हुई है। उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ देश के महानगरों से आगे बढ़कर दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों तक पहुँच रही हैं।

ऐसी अनेक पहलों से गाँवों में प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा और गरीब परिवारों के लिए अस्पताल में उपचार सुलभ हुए हैं। इसके साथ ही, जिलों में आपातकालीन चिकित्सा और क्षेत्रीय स्तर पर Super-Specialty सेवाएँ उपलब्ध हुई हैं।

देवियो और सज्जनो,

देश की बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताओं का आकलन करते हुए केन्द्र सरकार ने 2017 में स्वास्थ्य नीति में संशोधन किया था। एक समग्र और समावेशी स्वास्थ्य नीति के अंतर्गत Curative समाधानों के साथ ही Preventive, Promotive सेवाओं पर अधिक बल दिया गया। Rehabilitative और Palliative care पर भी फोकस बढ़ाया गया।

मानसिक तनाव, diabetes और कैंसर जैसे अ-संक्रामक रोग देश में जिस तेजी से बढ़ रहे हैं, उनकी रोकथाम से जुड़े अनेक आयामों पर भी विशेष बल दिया जा रहा है।

मुझे बताया गया है कि पिछले लगभग 8 वर्षों में diabetes और मानसिक तनाव परखने के लिए करोड़ों की संख्या में अलग-अलग परीक्षण किये गये। बड़ी संख्या में diabetes और तनाव के लक्षण वाले रोगियों का पता चला। महिलाओं और पुरुषों में बढ़ते विभिन्न कैंसरों के लिए भी समय से परीक्षण और प्रबंधन पर सार्वजनिक क्षेत्र में प्रभावी कार्य हो रहा है।

भारत जैसे विशाल देश में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में टेलीमेडिसिन परामर्श भी उपयोगी भूमिका निभा रहा है। मुझे ज्ञात हुआ है कि इस पद्धति से देश में 48 करोड़ से अधिक Consultation किये जा चुके हैं।

देवियो और सज्जनो,

देश में अब गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ किसी वर्ग विशेष का विशेषाधिकार नहीं रह गयी हैं। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) द्वारा कम आय वाले देश के करोड़ों परिवारों को 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष की पारिवारिक स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की गई है। आयुष्मान वय वंदन योजना से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु वाले प्रत्येक नागरिक को यह सुविधा मिली है।

मुझे ज्ञात हुआ है कि विशेषकर कम आय वाले परिवारों को Catastrophic Health Expenditure से बचाने में इन योजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान हो रहा है। देश के अनेक Under-served areas और Under-served communities तक इनके लाभ पहुँच रहे हैं।

Holistic Health की अवधारणा के अंतर्गत पिछले लगभग एक दशक में आयुर्वेद और योग के ज्ञान को Modern Medicine के साथ जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य भारत सरकार ने किया है। Integrative Health की दिशा में अनेक उपयोगी initiative लिए गए हैं।

मुझे बताया गया है कि अनेक AIIMS में Advanced Centre for Integrative Health Research स्थापित किये गये हैं। प्राथमिक और जिला स्तरीय सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आयुष सेवाओं का Co-Location किया गया है। Integrative Cancer Care को भारत में सशक्त करने के लिए WHO Global Centre for Traditional Medicine और आयुष मंत्रालय ने मिलकर एक पहल की है।

प्रिय विद्यार्थियो,

अपनी प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर आपने जिस संस्थान से शिक्षा पाई है, उसकी नौ दशकों से भी अधिक की विरासत है। श्रेष्ठ क्षमताओं वाले प्राध्यापकों के कुशल मार्गदर्शन में आपने उपाधियाँ अर्जित की हैं।

मुझे बताया गया है कि 2025 में इस संस्थान से 19 लाख से भी अधिक रोगियों ने OPD सुविधा का लाभ लिया और यहाँ विभिन्न प्रकार की 90 हजार से अधिक सर्जरी और संबंधित प्रक्रियाएँ हुई हैं। इन सभी गतिविधियों ने आपके अनुभव और आत्मविश्वास को पुष्ट करने में भूमिका निभाई होगी।

प्रिय विद्यार्थियो,

ऐसे विशिष्ट संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त कर आप अब जीवन के अगले चरण में प्रवेश कर रहे हैं। भविष्य में चिकित्सा से जुड़े जिस भी क्षेत्र में जायें, आपका व्यवहार संवेदनशीलता और Professional Ethics के उच्चतम मानकों के अनुसार होना चाहिए। स्वयं की प्रगति के साथ ही इस विशाल देश के प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाने में आपका सार्थक योगदान होना चाहिए।

आज चिकित्सा के क्षेत्र में आपकी भूमिका केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि नए ज्ञान के सृजन और चिकित्सा विज्ञान को आगे बढ़ाने में भी आपकी महत्वपूर्ण भूमिका है। आपको अपने चिकित्सा संबंधी व्यावहारिक अनुभव के साथ-साथ अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में भी सक्रिय योगदान देना चाहिए, ताकि रोगों के कारणों, उनकी रोकथाम और उपचार के अधिक प्रभावी उपाय विकसित किए जा सकें।

One Health की अवधारणा भी आज वैश्विक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। मनुष्य, पशु, वनस्पति और पर्यावरण के बीच निरंतर संपर्क के कारण एक क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्या दूसरे क्षेत्रों को

भी प्रभावित कर सकती है। अनेक संक्रामक रोग पशुओं से मनुष्यों में फैलते हैं, जबकि वायु और जल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरणीय असंतुलन भी मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियाँ उत्पन्न करते हैं। इसलिए आवश्यक है कि आप मानव चिकित्सा, पशु चिकित्सा और पर्यावरण विज्ञान के विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करें। इस समन्वित दृष्टिकोण से न केवल रोगों की रोकथाम और समय रहते उनकी पहचान संभव होगी, बल्कि भविष्य में उत्पन्न होने वाले स्वास्थ्य संकटों का सामना करने की हमारी तैयारी भी बेहतर होगी।

रोगों की रोकथाम और उपचार के लिए सामाजिक, आर्थिक, पोषण संबंधी तथा पर्यावरणीय परिस्थितियों को समझना भी आवश्यक है। इनका लोगों के स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव पड़ता है। स्थानीय स्वास्थ्य चुनौतियों और परिस्थितियों के अनुरूप उपचार एवं रोकथाम के उपायों पर अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। आपके अनुसंधान और प्रयासों से स्वास्थ्य सेवाएँ अधिक प्रभावी, सुलभ, सस्ती और जन-केंद्रित बन सकती हैं।

आपकी विशेषज्ञता का लाभ दूर-दराज के वंचित समुदायों को, देश की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को भी मिलना चाहिए। सूचना क्रांति और AI ने संभावनाओं के अनेक द्वार खोले हैं। आपके चिंतन और कार्य ऐसे होने चाहिए कि आधुनिक Technology के उपयोग से आपकी कुशलता का लाभ समाज के वंचित समुदायों तक पहुँच सके।

आप सबके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मैं अपनी वाणी को विराम देती हूँ।

धन्यवाद,

जय हिन्द!

जय भारत!